

चिकित्सा-विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में  
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :-

सम्पादक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

127/204 'एस' जूही, कानपुर-208014

सम्पर्क सूत्र :- 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष - 44 ● अंक - 23 ● कानपुर 1 से 15 दिसम्बर 2022 ● प्रधान सम्पादक - डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

आई0सी0एम0आर0 के सहयोग से

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वास्तविक सम्मान दिलाना प्रथम प्राथमिकता

आई0सी0एम0आर0 का मत है कि  
उसकी 11 जनवरी, 2021की कार्यवाही  
का अनुसरण किया जाना चाहिये

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए आवश्यक है कि इसका स्थापित चिकित्सा पद्धति के रूप में वास्तविक विकास किया जाये और विकास का स्वरूप कुछ इस तरह का हो जिसका लाभ आमजन भी उठा सकें तभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थायित्व दिया जा सकता है, यह बात बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चैयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने डा0 नन्द लाल सिन्हा की जयन्ती प्रेरणा दिवस के अवसर पर कही।

डा0 इदरीसी ने कहा कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जो कुछ भी चल रहा है वह कुछ सामान्य सा नहीं है, विकास एवं मान्यता के नाम पर बड़े-बड़े दावे किये जा रहे हैं सम्मेलन तथा बैठकें की जा रही हैं परन्तु जब यथार्थ के धरातल पर परीक्षण हो रहा है तो जो परिणाम आ रहे हैं वह चकित कर रहे हैं, केवल उत्तर प्रदेश की बात न करके यदि हम सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट रूप से नज़र आती है कि विकास का जो बहाव वास्तविक होना चाहिये वह नहीं हो रहा है, लोग अपना हित साधने में लगे

हैं, जो गुम हो गये थे वह भी पद्धति को स्थापित चिकित्सा है जब उसका उपयोग मान्यता लेने के नाम पर लाइन पद्धति की मान्यता तभी सम्भव प्राथमिक उपचार के

हम 48 वर्षों से निरन्तर प्रयास में हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भी अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भाँति वह सारी सुविधायें मिलें जो उन्हें प्राप्त हैं

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को जन जन तक पहुँचाना मुख्य प्राथमिकता जब **I.C.M.R. Electrohomoeopathy** शब्द को मान्यता दे रही है तब

**Electropathy** लिखने का क्या औचित है  
दोहरे व्यवहार से सफलता संदिग्ध रहती है

में खड़े दिख रहे हैं, यह हम सब के लिये सोचने का विषय है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को यदि समाज में प्रभावी ढंग से स्थापित करना है तो यह आवश्यक है कि इस चिकित्सा पद्धति का विकास भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार किया जाये जो भारत सरकार द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 2003 को जारी किया जा चुका है, जिसका लाभ सर्वसमाज को मिले।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता हेतु गठित अन्तर विभागीय समिति का मत है कि पद्धति का लाभ कुछ एक रोग तक सीमित न रहकर व्यापक रूप से हर रोग पर हो, जबकि प्रपोज़लकर्ता बात केवल कैंसर को ही प्राथमिकता देते नज़र आ रहे हैं, जबकि वास्तविकता तो यह है कि किसी भी चिकित्सा



Dr. Nand Lal Sinha (30th. November, 1889 - 30th. August, 1979)

साथ-साथ सामुदायिक स्तर पर भी व्यपक स्तर पर किया जाये, देखने में भी आरहा है कि एक ही नाम की संस्था का प्रचार प्रसार कैंसर हॉस्पिटल के नाम से अनेक मेट्रो शहरों में खुले हैं या खोले जा रहे हैं या खुल चुके हैं अच्छा होता कि जनरल हॉस्पिटल खोलकर हर रोगों का इलाज किया जाये और कैंसर का भी वार्ड पृथक रूप से खोल कर इलाज हो, इससे उनका उद्देश्य भी पूर्ण होगा और आपके पास अनेक मरीजों के डेटा भी सुरक्षित हो जायेंगे जो आपको **I.C.M.R.** को आंकड़े दिखाने में भी सहायक सिद्ध होंगे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवा से आपके द्वारा किन-किन रोगों का इलाज सफलता पूर्वक किया गया है, आपसे जो बार-बार प्रश्न पूछा जाता है कि आंकड़े दें कि आपने किन-किन रोगों का इलाज किया है? तब आप निर्भीक होकर वास्तविक डेटा उपलब्ध करा सकते हैं।

वास्तविकता यह है कि जितने भी रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज़बरदस्त प्रभाव है, आंकड़ों एवं साक्ष्यों



## IDC की महत्वपूर्ण सलाह

अन्तर विभागीय समिति ने अपनी चौथी एवं महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 11 जनवरी, 2021 में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं अपनी गत बैठक में अन्तरविभागीय समिति ने इसे **Letest One** भी कहा है समिति ने बैठक के दौरान प्रस्तुत अभिलेखों के अनुशीलन में यह पाया कि



इलेक्ट्रो होम्योपैथी भारत में 100 वर्षों से अधिक समय से कानपुर से संचालित हो रही है, निःसन्देह 100 वर्षों में जो भी मरीज़ देखे गये होंगे उनका वृहद रूप में डाटा होगा जिसको व्यवस्थित करने की आवश्यकता है इसे अमली जामा पहनाने के लिए कार्ययोजना बना कर पूर्ण किया जा सकता है जिससे मान्यता हेतु वांछित सूचनार्य एवं आंकड़े एकत्रित किये जा सकते हैं, यह कार्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्थायें/संगठन एक निश्चित समय अवधि में पूर्ण कर सकते हैं समिति ने कहा कि इसके लिए सभी उचित साधनों का प्रयोग किया जा सकता है इस संकलन में जो तथ्य महत्वपूर्ण होंगे उनमें देश में चलने वाले चिकित्सालय एवं औषधालयों के पास मरीजों का विवरण जिनमें उनके केस की स्थिति, रोग का निदान एवं उनको दी जाने वाली औषधि आदि का विवरण उपलब्ध होगा।

अन्तर विभागीय समिति ने यह भी कहा कि वैज्ञानिक सूचनाओं, प्रमाणों एवं साक्ष्यों के अभाव में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती है समिति ने अपनी इस महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 11 जनवरी, 2021 में निम्न सार निकाला है :-

Common views in the meeting were that the proposal submitted for recognition of Electrohomoeopathy as a system of medicine, lacked detailed and authentic scientific information and data, without which the Inter Departmental Committee was unable to properly assess the viability of the system and progress further. It was noted that in spite of the claims that this system was being widely practiced in the country for almost a century now, however, necessary records/documents did not appear to had been developed and maintained in combined and standard manner, which were very essential and unavoidable for promotion and further development of any system of healthcare. In the meeting today, all the experts, including those from the four State Governments, had been unanimous in their views that there ought to be properly-compiled detailed clinical data to establish the efficacy/efficiency of electrohomoeopathy treatment, a common standard pharmacopeia for manufacture of medicines in the country and related activities, publications in reputed scientific national/ international journals and or well analysed monographs of clinical data from different centres, etc. All these issues were deliberated in detail in the meeting, and all the proponents of the system were advised to prepare a check-list of the things to be done, as suggested by each of the experts in the meeting, and then to initiate and complete the exercise in a do-or die manner. They were advised to work together, taking along all in the trade in the country, so that they could compile common solid and valid data/documents for submission to the Inter-Departmental Committee for its further review. They were also assured that the committee was positively inclined towards their causes as the ultimate benefit would go to the public. While it was agreed that they would require months to complete the exercise, however they were advised to complete the job as early as possible.

आशा है कि अन्तरविभागीय समिति की गत बैठक की कार्यवाही भी इसी प्रकार होगी।

## ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICAL ASSOCIATION OF INDIA

9-1 Peeli Colony Juhi  
Post Box No. 187  
Kanpur-208014  
Telephone : 73331  
Chief Executive : Dr. N. Alam  
Product on Display : Indian Classical Medical Systems.

### Brief History

This new system of treatment differ from Homoeopathy, invented by Count Cesar Mattei of Italy in 1865, having principle, Complexa-Complexis-Curanter means our complex body requires complex medicines to cure the disease. Electro-Homoeopathic medicines are energetic, curative, non poisonous, assimilates easily in blood — purify blood and lymph, maintains Homoeostasis directly. Electro Homoeopathy has answer to AIDS & CANCER.

Join Electro Homoeopathy Colleges, learn Electro Homoeopathy, use these medicines and be perfect.

For Electro Homoeopathy courses, informations, contact:

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE, U.P.  
C-6064, Raja Ji Puram, Lucknow-226017  
NATIONAL DRUGS AND PHARMACEUTICALS (Importer, Exporter and Publisher of Electro Homoeopathic Medicines and Books)  
Pili Colony, Juhi, Kanpur-208014

An associated wings of :-

Electro Homoeopathic Medical Association of India (A strong organisation of Electro Homoeopathic Students Practitioners & Well Wishers)  
9-1 Pili Colony, Juhi, Post Box No. 187  
Kanpur-208014

86

## INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH

Ansari Nagar, P.O. Box No. 4508,  
New Delhi-110029  
Telephone : 653980, 660707, 667136, 652794  
Telex : 031-63067  
Chief Executive : Dr. A.S. Paintal  
Director-General

Product on Display : Photo-panels and Videofilms on research aspects of certain major health problems, along with Council's publications.

### Brief History

Established in 1911, the ICMR is the apex body in India for formulation, coordination and promotion of biomedical research. These primary functions are discharged through its permanent Research Institutes/Centres, Regional Medical Research Centres, Centres for Advanced Research, Research Units, Task Force projects including national multicentric projects as also open ended research schemes.

The Council's research priorities coincide with the national health priorities such as control and management of communicable diseases; fertility control; maternal and child health; control of nutritional disorders; developing alternative strategies for health care delivery; containment within safety limits of environmental (and occupational) health problems; research on major non-communicable diseases (including cancer, cardiovascular, metabolic and diseases as also mental health); and drug research (including traditional medicine).

104

## WORLD HEALTH ORGANIZATION

World Health House,  
New Delhi-110002  
Telephone : 3317804  
Telex : 31-65031, 31-65095  
Product on Display : WHO Publications

### Brief History

Entrusted to act as the World's directing and coordinating authority on questions of human health, WHO has developed a host of networks and mechanisms for generating data, applying facts to problems, and recommending solutions that will lead to sustained improvements in health. Much of the information developed by WHO is made available to the world through an extensive programme of publications, now numbering 7 periodicals, 1 AIDS newsletter and close to 80 new books each year. Some are practical manuals for use in preventing and controlling disease or developing quality health care. Others are unique guides to internationally accepted procedures, standards or practice, introducing uniformity to world medical care. Still others attack urgent technical problems with advice formulated and agreed upon by international groups of experts. Closely tied to the work of WHO, each of these publications articulates part of a global plan, conveying information that can push the world forward through the protection and promotion of health.

172

**BUSINESS VISITORS GUIDE**

**HEALTH & MEDICARE INDIA '90**  
MARCH 25-31, 1990  
PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI



क्या आप जानते हैं

32 वर्ष पूर्व

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक

मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया

W.H.O.

एवं

I.C.M.R.

हेल्थ एण्ड मेडिकेयर

1990 में

एक साथ एक छत के नीचे  
एक हॉल में थे

48 वर्षों से प्रयास है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सम्मान मिले

# आइ० सी० एम० आर० के सहयोग से ..... प्रथम पेज से आगे

का समय से सुरक्षित नहीं होने के कारण उन्हें हम प्रमाण स्वरूप आधार बना कर प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है, किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिकाधिक हो, आज युग बदल चुका है हर क्षेत्र में जबरदस्त परिवर्तन हो चुका है।

चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं ऐसे में यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो समाज में बहुत कार्य करना होगा, हमारे पास जो लाखों की संख्या है उन्हें अपने दायित्वों को समझना होगा और दायित्वों का पालन करते हुये एक नई कार्य पद्धति को जन्म देना होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इन्कार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है, लेकिन जो संतुलित और

समन्वित वास्तविक विकास होना चाहिये वह नहीं हो पाया है, यदि हम इसके कारणों पर जायें तो अनेकों कारण दृष्टिगोचर होंगे।

यह कटु सत्य है कि 2003 में जो भारत सरकार द्वारा गाईड लाइन जारी की गयी वह 2010 तक का काल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये बहुत कठिन रहा है लेकिन जिस सूझ-बूझ से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालकों ने इस चिकित्सा पद्धति को कार्य करने का एक अवसर दिलाया है तो हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इस प्राप्त

अवसर का भरपूर लाभ उठायें, हमारे जो चिकित्सक अपने चिकित्सा व्यवसाय में केवल इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की औषधियां व्यवहार में ला रहे हैं उन्हें सफलता प्राप्त हो रही है एवं परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं, इन प्राप्त परिणामों से चिकित्सकों में उत्साह का भाव जागृत हो रहा है।

पहले की तुलना में अब औषधियों की कमी नहीं है लगभग हर शहर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की औषधियां उपलब्ध हैं, हमारे कुछ औषधि निर्माताओं ने मूल

औषधियों के साथ-साथ अनेक स्वरूप में औषधियां उपलब्ध करा रहे हैं जिनके परिणाम भी अच्छे प्राप्त हो रहे हैं मगर इस प्रकार के कार्य करने वाले चिकित्सकों की संख्या का प्रतिशत हमें बढ़ाना है, जब चिकित्सा पद्धति का प्रभाव सामान्य जन स्वयं अनुभव करेगा तो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का व्यापक स्तर पर स्वयं विस्तार हो जायेगा।

लोगों को चाहिये कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हो रही नवीन जानकारीयों से वे अपडेट रहें ताकि चिकित्सकों एवं छात्रों को बिलकुल नवीन शोधों एवं जानकारीयों से अवगत करा सकें इससे एक लाभ यह होगा कि विकास की गति ज़्यादा तेज़ी से बढ़ेगी।

जो चिकित्सक अभी भी अन्य विधा प्रयोग में लाते हैं उनके अन्दर भी एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और यह चिकित्सक भी अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से चिकित्सा करने का मन बना चुके हैं, हमारे पास किसी भी प्रकार का कोई सरकारी अनुदान नहीं आता है इसके उपरान्त भी हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथि निजी संसाधनों के बल पर शोध कार्य में लगे हुये हैं, शोधार्थियों को परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं यदि सरकार का थोड़ा सहयोग और समर्थन मिल जाये तो हमारे शोधार्थी किसी से कम उपयोगी नहीं रहेंगे।

इस सम्बन्ध में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति विकास एवं अनुसंधान संस्थान ने भारतीय अयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (I.C.M.R.) को अनुरोध पत्र भी प्रेषित किया है, सरकार के सहयोग और समर्थन के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया भी निरन्तर प या स र्णी ल है, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से इस विषय पर पत्र व्यवहार जारी है, जहाँ कहीं भी भौतिक सम्पर्क की आवश्यकता है वह भी किया जा रहा है, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये क्योंकि यदि अधिकार पूर्वक कार्य करना है तो राज्य में प्रचलित कानूनों का पालन करते हुये जनपद स्तरीय पंजीकरण को अनिवार्य रूप कराना चाहिये ताकि हमारी वास्तविक गणना हो सके।

बी०ई०एच०एम० के लिए डा० अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर-208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर-208014 से प्रकाशित किया।

## बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ०प्र०

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)



8- लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ-226001

प्रशा० कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर-208014

website- [www.behm.org.in](http://www.behm.org.in)

email: [registrarbehmup@gmail.com](mailto:registrarbehmup@gmail.com)

# F.M.E.H. & A.C.E.H

## पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु स्टडी सेन्टर्स स्थापनार्थ इच्छुक व्यक्तियों / संस्थाओं से आवेदन

# आमंत्रित हैं

आवेदन पत्र एवं निर्देश बोर्ड की वेबसाइट  
[www.behm.org.in](http://www.behm.org.in) (link Affiliation)  
से डाउनलोड कर सकते हैं।

*Registar*



BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE, U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION DECEMBER 2022

Name of the course	28 <sup>th</sup> December, 2022 Wednesday	29 <sup>th</sup> December, 2022 Thursday	30 <sup>th</sup> December, 2022 Friday
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	Pharmacy & Philosophy	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	Hygiene & Health	Environmental Science
F.M.E.H. 3rd. Semester	Ophthalmology including E.N.T.	M. Jurisprudence & Toxicology	Dietetics
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynaecology	Materia Medica	Practice of Medicine

Timing → 9:00 A.M. to 12:00 A.M.

*Ateeq Ahmad*  
Examination Incharge